Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 07-03-2006

Participants : Aditya Nath Shri

an>

Title : Regarding non-payment of dues to the artists by the Doordarshan Kendra, Gorakhpur.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, वर्ा 1984 में स्थापित गोरखपुर दूरदर्शन केन्द्र भारत-नेपाल की सीमा पर स्थित है और उसका सामरिक और सांस्कृतिक विरासत की दृटि से महत्वपूर्ण स्थान है। अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान उस केन्द्र में व्याप्त भ्रटाचार की ओर दिलाना चाहता हूं। गोरखपुर दूरदर्शन केन्द्र अपने उद्देश्य से भटक गया है और वहां के कलाकारों के शोाण का केन्द्र बन चुका है। जिन कलाकारों और प्रोग्रामकर्ताओं ने उस दूरदर्शन केन्द्र के लिए प्रोग्राम बनाए या प्रसारित किये थे, वर्ा 2002 से आज तक उनकी राशि का भुगतान नहीं किया गया है। दूरदर्शन के कलाकारों, लेखकों और साहित्यकारों का करीब 60-70 लाख रुपया दूरदर्शन केन्द्र पर भुगतान के लिए है लेकिन उनका भुगतान नहीं किया जा रहा है। वहां पर केन्द्र निदेशक तथा अन्य अधिकारियों के द्वारा फर्जी एजेंसी बनाकर मेकअप मैन, कैमरा-मैन और वीडियो-सम्पादक के नाम से फर्जी भुगतान कराया जा रहा है और स्थानीय कलाकारों और प्रोग्रामकर्ताओं का शोाण बड़े-पैमाने पर किया जा रहा अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी और भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि गोरखपुर दूरदर्शन केन्द्र जिसका सामरिक और सांस्कृतिक महत्व है और जिसका योगदान क्षेत्र की संस्कृति को बनाये रखने में हो सकता था, आज उसका दुरुपयोग वहां के कुछ अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि वहां एक उच्च-स्तरीय समिति गठित करके इस मामले की जांच करवाई जाए और दोाी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और कलाकारों, लेखकों और साहित्यकारों की बकाया राशि का भुगतान करवाया जाए।

MR. SPEAKER: I am so encouraged to find that many hon. Members are keen to raise important issues. If you kindly allow me to regulate the House, then almost all the Members can raise their issues. But if you all speak together and take a very long time to speak, then you cannot raise your points. This is the vibrancy of this House and so, I want to encourage it.

Shri P.C. Thomas, be brief now[bru20].